शेयर बाजार	संसेक्स	भारत	निफ्टी	सोना	स्टैंडर्ड (24 कैरेट)	सोना (एमसीएक्स)	चांदी	चांदी (999)	चांदी (एमसीएक्स)	बिटकॉइन	इथर	बिनेंस	डॉलर	यूरो	पेट्रोल	डीजल
	65,676 (+742.06)		19,675 (+231.90)		₹62,125 (प्रति 10 ग्राम)(+525)	₹60,383 (प्रति 10 ग्राम) (+318)		₹73,500 (प्रति किग्रा)(+1900)	₹72,340 (प्रति किग्रा) (+747)	$ 36,228 (-0.16)	$ 2,011 (-1.20%)	$ 246.8 (+0.78%)	₹83.32 (प्रति 1 डॉलर)	₹89.13 (प्रति यूरो)	₹108.66 (प्रति लीटर)	₹93.94 (प्रति लीटर)

Expert से पूछें | **पसर्नल फाइनेंस**

20 साल में करोड़पति बनने के लिए हर माह करें ₹12,000 निवेश

Q मेरी उम्र 40 साल है और मेरी सैलरी प्रति माह 80,000 है, जिसमें मैं 30,000 रुपए बचा लेता हूं। 20 साल में करोड़पति बनने के लिए मुझे हर महीने कितना एसआइपी करना होगा। मुझे किस एसेट में निवेश करना चाहिए? -मनीष गुप्ता, जयपुर

चूंकि, आप रिटायरमेंट के लिए निवेश करना चाहते हैं तो इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश आपके लिए बेहतर रहेगा, क्योंकि लॉन्ग टर्म में इक्विटी में निवेश पर में जोखिम नहीं है। आपको हर महीने इमरजेंसी फंड के लिए 5,000 रुपए लिक्विड फंड में निवेश करना चाहिए।, जिसमें आपको सालाना 5% तक रिटर्न मिल जाएगा। वहीं एसआइपी के जरिए बची राशि का 70% यानी 17,500 रुपए लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप इक्विटी फंड्स में निवेश करना चाहिए। रिटर्न में स्थिरता और जोखिम कम करने के लिए 30% राशि डेट फंड्स में निवेश कर सकते हैं। इमरजेंसी के लिए 3 साल तक निवेश करने के बाद इस राशि को डेट फंड में निवेश कर सकते हैं।

2.5 करोड़ रुपए का फंड जमा होगा

20 साल के बाद एक करोड़ रुपए का फंड तैयार करने के लिए 12% सालाना रिटर्न वाले इक्विटी फंड में एसआइपी के जरिए हर माह 12,000 रुपए निवेश करना होगा। वहीं हर महीने 30,000 रुपए निवेश कर रिटायरमेंट पर 2.5 करोड़ रुपए का फंड जमा कर सकते हैं।

इतना मिलेगा रिटर्न

(राशि रुपए में)

स्कीम	एसआइपी	अनुमानित रिटर्न	कुल कॉपरस
लार्जकैप फंड्स	₹7,500	12%	64.84 लाख
मिडकैप फंड्स	₹5,000	13.5%	51.50 लाख
स्मॉलकैप फंड	₹5,000	15%	61.46 लाख
डेट फंड	₹7,500	7.5%	38.98 लाख
इमरजेंसी फंड	₹5,000	5%-8%	33.22 लाख
कुल कॉपरस			**2.50 करोड़**

Q मेरी उम्र 32 साल की हूं। मेरी मासिक खर्च 20,000 रुपए प्रति माह है। रिटायरमेंट के बाद इस लाइफस्टाइल को मेंटेन करने के लिए मुझे 25 साल बाद कितने रुपए की जरूरत होगी। इसके लिएकितनी राशि निवेश करना चाहिए? - सुमित शर्मा, इंदौर

हर साल महंगाई अगर 6% की दर से बढ़ती है तो 25 साल बाद आपको यह लाइफस्टाइल मेंटन करने के लिए प्रति माह 80,000 रुपए की जरूरत होगी। आपको ऐसे ऐसेट्स में निवेश करना चाहिए जो सालाना 12% रिटर्न दे। ऐसे में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकती हैं। आज से 25 साल बाद प्रति माह 80,000 रुपए रिटर्न पाने के लिए 5,000 रुपए एसआइपी से निवेश करना होगा। सालाना 12% औसत रिटर्न मिलने पर 25 साल बाद कुल कॉपरस 80 लाख रुपए हो जाएगा। इसके बाद सिस्टेमैटिक विड्रॉअल प्लान चुनकर हर माह 80,000 रुपए निकालने के बाद भी मूल राशि के रूप में 80 लाख रुपए आपके पास रहेगी।

एक्सपर्ट: **आदिल शेट्टी, सीईओ, बैंकबाजार**

सेंसेक्स 742 अंक चढ़ा: वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच में महंगाई के अनुकूल आंकड़ों के साथ घरेलू बाजारों में आया उछाल

बाजार गुलजार, निवेशकों की एक दिन में 3.32 लाख करोड़ बढ़ गई संपत्ति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. शेयर बाजार में बुधवार को चौतरफा खरीदारी के कारण संसेक्स 742.06 अंकों की बढ़त के साथ 65,675.93 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार की मजबूती में ऑटो, आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों का सबसे अधिक योगदान रहा। कारोबारी सेशन दौरान लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप बढ़कर 325.42 लाख करोड़ रुपए हो गया। निवेशकों की एक दिन में 3.32 लाख करोड़ पर संपत्ति बढ़ गई।

इन सूचकांकों में तेजी

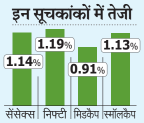

सभी सेक्टर उछले

इंडेक्स	तेजी
निफ्टी बैंक	0.71%
निफ्टी ऑटो	1.73%
निफ्टी आईटी	2.59%
निफ्टी मैटल	1.17%

टॉप गेनर

आयशर मोटर	5.34
टेक महिंद्रा	3.77
हिंडालको	3.72
टाटा मोटर्स	2.80

अडानी ग्रुप के शेयर उछले शुरुआती कारोबार में गौतम अडानी ग्रुप की सभी 9 लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। एसीसी लिमिटेड के शेयर सबसे कम 0.25 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। जबकि अदानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में सबसे ज्यादा 1 फीसदी की बढ़त रही। अडानी विल्मर के शेयरों में भी हल्की बढ़त दर्ज की गई।

बीएसई के 2276 शेयरों में तेजी

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कुल 3,884 शेयरों में आज कारोबार देखने को मिला। इसमें से 2276 शेयर बढत केव साथ बंद हुए। वहीं 1470 शेयरों में गिरावट देखी गई। जबकि 138 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के सपाट बंद हुए। इसके अलावा 363 शेयरों ने कारोबार के दौरान अपना 52 वीक हाई छुआ।

विदेशी बाजारों में तेजी एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी का रुख था। अमरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त में रहे थे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 1,244.44 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

सीएएफआरएएल: जनवरी से सितंबर तक कुल 90 हजार करोड़ का कर्ज दे चुकी है ये कंपनियां

2030 तक देश के बैंकिंग सेक्टर को पछाड़ सकता है फिनटेक इकोसिस्टम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत का फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी (फिनटेक) उधारी क्षेत्र 2030 तक परंपरागत बैंकों से आगे निकल सकता है। सेंटर फॉर एडवांस्ड फाइनैंशियल रिसर्च ऐंड लेंडिंग (सीएएफआरएएल) की इंडिया फाइनेंस रिपोर्ट 2023 से ये संकेत मिलते हैं। इस वृद्धि का श्रेय देश के छोटे और मध्यम आय वर्ग की ऋण जरूरतों को पूरा करने की क्षेत्र की क्षमता को जाता है। भारत के फिनटेक उद्योग में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय तेजी आई है। फिनटेक कंपनियों ने इस साल अब तक 90 हजार करोड रुपए से ज्यादा कर्ज दिया है। इस सेक्टर में हर साल 20 फीसदी से ज्यादा की ग्रोथ हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है, 2016 से 2022 के बीच करीब 14,000 स्टार्टअप आए, जिनमें से आधे फिनटेक सेक्टर के थे। फिनटेक उधारी 2030 तक परंपरागत बैंकों की उधारी से आगे निकल जाने का अनुमान है। सीएएफआरएएल भारतीय रिजर्व बैंक का स्वतंत्र निकाय है, जिसने यह सर्वे कराया है।

11 लाख करोड़ का होगा फिनटेक सेक्टर 2025 तक

2200 से ज्यादा भारत में फिनटेक कंपनियां

67% ऐसी हैं जो पिछले पांच साल में बनी

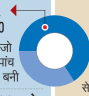

70,000 करोड़ से ज्यादा जुटाए, पिछले पांच साल में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए

फिक्की की रिपोर्ट

फिक्की की हालिया रिपोर्ट कहती है कि 2025 तक भारत में फिनटेक सेक्टर 150 बिलियन डॉलर यानी 11 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा का होगा। फिलहाल इस सेक्टर का वैल्युएशन बढ़कर 4 लाख करोड़ रुपए हो चुका है। ज्यादातर लोग फोनपे, गूगल पे, पेटीएम, अमेजन पे जैसे ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

ग्राहकों की बदलती जरूरतों पर ध्यान

इस सेक्टर के विस्तार के साथ डिजिटल फाइनेंशियल सर्विसेज के लिए ग्राहकों की तरजीह और जरूरतें बदल रही हैं। इसमें पहुंच अहम है, जिसकी वजह से वह परंपरागत बैंक उधारी से आगे निकल रही हैं। फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर इंपावरमेंट (फेस) में मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) सुगंध सक्सेना का कहना है, खासकर छोटे व मझोले सेग्मेंट में कर्ज की अहम और विविधीकृत जरूरतों को फिनटेक उधारी से निरंतरता के साथ पूरा किया जा सकता है।

भारत तीसरा सबसे बड़ा बाजार

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े फिनटेक इकोसिस्टम के रूप में अपनी मौजूदगी रखने वाले भारत की उपलब्धि असाधारण रही है, जहां 23 यूनिकॉर्न और 700 से अधिक स्टार्ट-अप ने 2014 के बाद से सामूहिक रूप से 26 बिलियन डॉलर की भारी-भरकम फंडिंग जुटाई है। फिनटेक को अपनाए जाने की रफ्तार भारत को अन्य देशों के मुकाबले विशिष्ट बनाती है, जो लगभग 87% के साथ विकसित अर्थव्यवस्थाओं से कहीं आगे है।

यूपीआई में साल-दर-साल 44% की वृद्धि

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस नेटवर्क में जुलाई 2023 में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जिसने लेनदेन की मात्रा और मूल्य दोनों में नए रिकॉर्ड स्थापित किए। यूपीआई लेनदेन में साल-दर-साल 44% की वृद्धि हुई और यह आश्चर्यजनक रूप से 15.34 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

सर्राफा: चांदी 2250 और सोना 600 रुपए उछला

फिर चमके सोना-चांदी

SKJ Jewellers
VAISHALI NAGAR 0141-4005001
VIDHYADHAR NAGAR 0141-2820777

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. सोने–चांदी की वायदा कीमतों में तेजी आने से बुधवार को हाजिर भावों में उछाल आया। चांदी हाजिर 2250 रुपए की छलांग लगाकर 73850 रुपए प्रति किलो ग्राम और सोना स्टैंडर्ड 600 रुपए चमककर 62100 रुपए प्रति दस ग्राम रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने–चांदी के वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। यहां सोना 1966.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 1966.50 डॉलर था। चांदी के वायदा भाव 23.16 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 23.13 डॉलर था। सोना एमसीएक्स वायदे में बढ़कर 60 हजार रुपए के पार कारोबार कर रहा है। वहीं चांदी 71 हजार के ऊपर है।

इकोनॉमी: सरकार ने जारी किए आंकड़े

निर्यात अक्टूबर में 6.21% बढ़ा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत का निर्यात इस साल अक्टूबर में 6.21 प्रतिशत बढ़कर 33.57 अरब अमरीकी डॉलर रहा। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2022 में यह 31.6 अरब डॉलर था। समीक्षाधीन महीने में आयात भी 12.29 प्रतिशत बढ़कर 65.03 अरब डॉलर रहा, जबकि अक्टूबर 2022 में यह 57.91 अरब डॉलर था।

व्यापार घाटा...

सर्विस सेक्टर के आयात-निर्यात अक्टूबर 2023 में कमी देखने को मिली है। अक्टूबर में भारत ने 28.70 अरब डॉलर की सर्विस निर्यात किया है, जबकि 14.32 अरब डॉलर की सर्विस का आयात किया है। अर्थशास्त्रियों को अक्टूबर में व्यापारिक घाटा 20 अरब डॉलर रहने अनुमान था, लेकिन आयात-निर्यात के बीत अंतर बढ़ने के कारण इसमें बढ़त हुई है।

तुअर आयात पर बढ़ेगी निर्भरता

नई दिल्ली@पत्रिका. भारत दुनिया में अरहर (तुअर) का सबसे बढ़ा उत्पादक, उपभोक्ता एवं आयातक देश बना हुआ है लेकिन पिछले साल की भांति चालू खरीफ सीजन के दौरान भी घरेलू उत्पादन में गिरावट आने तथा मांग एवं खपत में वृद्धि होने से इसके आयात की आवश्यकता महसूस हो रही है।

हाजिर स्टॉक की कमी से इसका घरेलू बाजार भाव काफी ऊंचा और तेज चल रहा है। भारत में तुअर आयात मुख्यतः म्यांमार एवं पूर्वी अफ्रीका देशों से होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 और 2021 में 42 लाख टन से ऊपर रहने के बाद 2022 में उत्पादन घटकर 33.12 लाख टन पर अटक गया था। व्यापार समीक्षकों के अनुसार बिजाई क्षेत्र में गिरावट आने से चालू सीजन के दौरान उत्पादन 13 प्रतिशत कम रह सकत है। वहीं कृषि मंत्रालय ने अपने प्रथम अग्रिम अनुमान में अरहर का उत्पादन बढकर 34.21 लाख टन पर पहुंचने की संभावना व्यक्त की है, जो पिछले 3 सालों की औसत उपज दर पर आधारित है। वर्ष 2023 के आरम्भिक 8 महीनों (जनवरी-अगस्त) के अंदर कुल 4.71 लाख टन आयत किया गया। इसमें से म्यांमार से 2.09, मोजाम्बिक से 1.66 तथा अन्य अफ्रीकी देशों से 0.96 लाख टन का आयात शामिल रहा।

गेहूं की बुआई ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली@पत्रिका. रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की बुआई 10 नवंबर तक पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कम रही है। इसकी वजह है कि कुछ राज्यों में धान व गन्ने के खेत अभी पूरी तरह खाली नहीं हुए हैं। साथ ही कुछ कारोबारियों का मानना है कि दीवाली के बाद बुआई गति पकड़ेगी और भारत में कुल बोआई के अंतिम आंकड़े सामान्य रहेंगे और गेहूं का कुल रकबा करीब 310 लाख हेक्टेयर रहेगा। अन्य प्रमुख फसलों में चने का रकबा पिछले साल की समान अवधि के दौरान थोड़ा कम रहा है। वहीं मसूर का रकबा पिछले साल 10 नवंबर तक की बोआई के रकबे से थोड़ा अधिक रहा है। रबी की फसलों की बुआई अभी शुरू हुई है और इसके रकबे की सही तस्वीर अगले कुछ सप्ताह बाद दिसंबर के अंत तक ही आ सकेगा।

व्यापार मेले में आयकर विभाग का लाउंज

नई दिल्ली. प्रगति मैदान में चल रहे भारत अंतराष्ट्रीय व्यापार मेले में आयकर विभाग ने करदाता लाउंज लगाया है जिसका उद्देश्य विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है तथा स्वैच्छिक अनुपालन को आसान बनाने के लिए डिजिटलीकरण, पारदर्शी कराधान, ई-पैन, ई-फाइलिंग, ऑनलाइन शिकायत निवारण आदि के क्षेत्रों में विभिन्न पहलों का प्रदर्शन करना है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने हॉल नंबर 5 में सीबीडीटी के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में लाउंज का उद्घाटन किया।

टाटा स्टील चलाएगी छंटनी की तलवार

मुंबई.टाटा स्टील ने नीदरलैंड में 800 नौकरियों की कटौती की घोषणा की है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह प्रतिस्पर्धात्मकता और लाभप्रदता सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठा रही है। गौरतलब है कि कंपनी अपने नीदरलैंड स्थित परिचालन के लिए वित्तीय सहायता की मांग कर रही है। टाटा स्टील ने अक्टूबर, 2021 में टाटा स्टील यूके और टाटा स्टील नीदरलैंड को दो स्वतंत्र कंपनियों के रूप में अलग किया था। नीदरलैंड के इज्मुइडेन में कंपनी के पास 70 लाख टन सालाना क्षमता वाला संयंत्र है। कंपनी का लक्ष्य यूरोप में 2050 तक इस्पात व्यवसाय को शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला बनाना है। टाटा स्टील ने बयान में कहा, 'इस्पात बाजार पिछले कुछ समय से गंभीर संकट में है। संरचनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता और लाभप्रदता सुनिश्चित करने के लिए टाटा स्टील नीदरलैंड में महत्वपूर्ण उपाय कर रहा है, जिसमें इज्मुइडेन में 800 नौकरियों की कटौती भी शामिल है।

आईपीईएफ समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली@पत्रिका. केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एशिया प्रशांत आर्थिक संधि (आईपीईएफ) के सदस्य देशों के बीच पहले आईपीईएफ-आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़े समझौते पर हस्ताक्षर किए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार सान फ्रांसिस्को की यात्रा पर गए गोयल ने मंगलवार को आईपीईएफ की तीसरी वैयक्तिक मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया। इस बैठक के दौरान भारत सहित सदस्य देशों के व्यापार और उद्योग मंत्रियों ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक सुदृढ, ठोस और इसे बेहतर रुप से समन्वित करने में सहयोग के समझौते पर हस्ताक्षर किए।

बजाज के कार्ड पर ऋण देने पर रोक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. भारतीय रिज़र्व बैंक ने बजाज फाइनेंस लिमिटेड के दो ऋण उत्पादों 'ईकॉम' और 'इंस्टा ईएमआई कार्ड' के तहत ऋण मंजूर करने और ऋण वितरण करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। केन्द्रीय बैंक ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45एल(1)(बी) के तहत यह कार्रवाई की गयी है। कंपनी द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के डिजिटल ऋण दिशानिर्देशों के मौजूदा प्रावधानों का पालन न करने, विशेष रूप से इन दो ऋण उत्पादों के तहत उधारकर्ताओं को मुख्य तथ्य विवरण जारी न करने और मुख्य तथ्य विवरण में कमियों के कारण यह कार्रवाई की गयी है। रिजर्व बैंक ने कहा कि कंपनी द्वारा उक्त कमियों को लेकर किये जाने वाले सुधार के संबंध में मिलने वाली रिपोर्ट के आधार पर प्रतिबंधों की समीक्षा की जाएगी।

भारत-रूस समुद्री मार्ग की योजना अंतिम चरण में

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भारत के चेन्नई बंदरगाह से रूस के व्लादीवोस्तक बंदरगाह के बीच अक्टूबर में पोत को परीक्षण के तौर पर भेजा गया। यह सोवियत संघ के दौर के समुद्री व्यापार मार्ग को फिर से शुरू करने का प्रयास है।

चेन्नई में रूस संघ के वाणिज्य दूत ओलेग एन अवदीव ने बताया कि इस रास्ते से आने-जाने में केवल 17 दिन लगे। हालांकि भारत के बंदरगाहों से स्वेज नहर के जरिये सेंट पीटर्सबर्ग तक जाने जाने में आमतौर पर 35-40 दिन लगते हैं। अवदीव ने बताया, 'हम चेन्नई-व्लादीवोस्तक समुद्री रास्ते को असलियत में शुरू करने के अंतिम दौर में हैं। इस समुद्री मार्ग को ईस्टर्न मैरीटाइम कॉरिडोर (ईएमसी) के नाम से जाना जाता है और यह भारत के पूर्वी तट और रूस के सुदूर पूर्वी तट को जोड़ता है। रूस के अधिकारियों ने बताया कि हम इस मार्ग को मंजूरी देने के अंतिम चरण में हैं। अवदीव ने बताया कि रूस के प्रतिनिधि अंतिम विचार-विमर्श के लिए भारत आने को तैयार थे और मुख्य कार्यर्क म चेन्नई में होना था। भारत के अधिकारियों के मुताबिक यह कार्यक्रम जनवरी में होने की उम्मीद है। भारत के अधिकारी इस मार्ग से कारोबार वाली प्रमुख जिंसों की पहचान कर चुके हैं। इनमें कोकिंग कोल, कच्चा तेल, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और उर्वरक शामिल हैं। अवदीव ने बताया कि स्वेज नहर पर यातायात का दबाव अधिक है। इस प्रस्तावित मार्ग से पूर्व सोवियत संघ के दौर में कारोबार होता था। इस मार्ग से यातायात का समय और दूरी कम हो जाएगी।

वीवो ने यूईएफए यूरो से हाथ मिलाया

नई दिल्ली@पत्रिका. वीवो जर्मनी में होने वाले यूईएफए यूरो 2024टीएम में ग्लोबल फुटबॉल फैंस के साथ जुड़ गया है। ऑफिशियल पार्टनर और ऑफिशियल स्मार्टफोन के रूप में वीवो ग्लोबल फुटबॉल प्लेटफॉर्म पर अपनी अत्याधुनिक स्मार्टफोन टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन करेगा। वीवो फुटबॉल प्रशंसकों को इंगेज करने और टूर्नामेंट के रोमांच को शेयर करने के लिए यूईएफए के साथ मिलकर काम करेगा। वीवो इवेंट की सफलता में यूईएफए यूरो 2024टीएम स्टाफ को वीवो फ्लैगशिप स्मार्टफोन से प्रदान करेगा।

बढ़ते हादसे देख उठाया कदम, ढांचा परियोजनाओं में काम करने का 15 साल का अनुभव हो

एनएचएआई ने सख्त किए कर्मियों की नियुक्ति के नियम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण में ठेकेदारों द्वारा खामी और लापरवाही के कई मामले सामने आने के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने इनके लिए ठेकेदारों तथा उनके उप-ठेकेदारों द्वारा तैनात किए जाने वाले पेशेवरों के लिए जरूरी न्यूनतम योग्यता और अनुभव के नियम सख्त कर दिए हैं। अब ठेकेदार राष्ट्रीय राजमार्ग इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) परियोजना के लिए उसी पेशेवर को काम पर रख सकते हैं, जिसके पास बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में काम करने का कम से कम 10 से 15 साल का अनुभव हो। अधिकारियों के अनुसार इस कदम से परियोजना प्रबंधक, गुणवत्ता प्रबंधक, सेतु इंजीनियर और सुरक्षा प्रबंधक जैसे प्रमुख पदों पर अयोग्य पेशेवरों को तैनात कर खानापूर्ति करने की ठेकेदारों की आदत पर अंकुश लगेगा।

ठेकेदारों हो जवाबदेह

राजमार्ग प्राधिकरण के मानक ईपीसी ठेके में पहले ही ऐसा प्रावधान है, जिसके कारण डिजाइनिंग एवं रि यान्वयन फर्म ऐसे पेशेवर रखती है, जो उद्योग से जुड़े अपने कार्यों में उचित और पर्याप्त योग्यता, कुशलता तथा अनुभव रखते हैं। एनएचएआई के एक अधिकारी ने बताया, च्हमें फील्ड अधिकारियों से ऐसे कई मामलों की शिकायत मिली है जहां ठेकेदार ने च्उद्योग के अच्छे तौर तरीकेज् शब्द में अस्पष्टता का फायदा उठाकर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए कम योग्य एवं कम अनुभवी कर्मचारियों रख लिए हैं। इसलिए प्राधिकरण ऐसे पैमाने बनाना चाहता है, जिनके जरिये ठेकेदारों को जवाबदेह बनाया जा सकता है।

आलोचना के बाद उठाया कदम

राजमार्गों की गुणवत्ता पर काफी आलोचना का सामना करने के बाद सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने यह कदम उठाया है। खास तौर पर पहाड़ी इलाकों जैसे जोखिम भरे क्षेत्रों में मॉनसून के कारण आई बाढ़ से सड़क का पूरा का पूरा हिस्सा बरबाद होने के कारण राजमार्गों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। सड़कों की गुणवत्ता विकसित देशों की तरह करने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी योजना एवं कार्यान्वयन से जुड़े नियमों में अमूलचूल बदलाव के लिए भी तैयार हैं।

दुघर्टनाएं 9% बढ़ी

वर्ष 2022 में सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं और सड़क सुरक्षा मानदंड में सुधार की जरूरत हो रही है। देश के कुल सड़क नेटवर्क का केवल 2 फीसदी हिस्सा राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत आता है मगर 33 फीसदी सड़क दुर्घटनाएं और दुर्घटना में होने वाली 36 फीसदी मौतें राष्ट्रीय राजमार्ग पर होती हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर मौत के मामले 2021 से 2022 के बीच 9 फीसदी बढ़ गए हैं।

भूमि अधिग्रहण संबंधी नियमों में भी बदलाव: इस बीच एनएचएआई ने परियोजनाएं अटकने और देर होने के कारण लागत बढ़ने की आशंका घटाने के लिए भूमि अधिग्रहण संबंधी मानदंडों में भी बदलाव किया है। अब सलाहकारों को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए तीन सबसे वांछित मार्ग की योजना भेजनी होती है और पीएम गति शक्ति के जरिये उसकी व्यवहार्यता भी जांचनी होती है।

यूफ्लेक्स जारी किए वित्तीय नतीजे

नई दिल्ली@पत्रिका. पैकेजिंग एंड सॉल्यूशंस कंपनी यूफ्लेक्स लिमिटेड ने 30 सितंबर, 2023 को समाप्त दूसरी तिमाही के वित्तीय नतीजे जारी किए हैं। कंपनी के अनऑडिटेड नतीजों को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में मंजूरी दी गई। कंपनी की ब्याज, टैक्स और डेप्रिशिएशन पूर्व आय (एबिटडा) में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 153.3 करोड़ रुपए से बढ़कर कंपनी का एबिटडा 168.1 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की बिक्री 8.9 प्रतिशत बढ़कर 64,232 मीट्रिक टन रही। कुल बिक्री 0.6 प्रतिशत बढ़कर 150,840 मीट्रिक टन रही। दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर कंपनी का राजस्व 1720.5 करोड़ रुपये से घटकर 1650.5 करोड़ रुपये पर आ गया। कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) 42.7 प्रतिशत गिर गया। यूफ्लेक्स ग्रुप के चेयरमैन अशोक चतुर्वेदी ने कहा, 'दूसरी तिमाही में तिमाही आधार पर और सालाना आधार पर फ्लेक्सिबल पैकेजिंग बिजनेस में बिक्री में वृद्धि देखने को मिली।

चीनी उत्पादों की डंपिंग जांच शुरू

नई दिल्ली@पत्रिका. वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने स्वत : संज्ञान लेते हुए चीन की कंपनियों द्वारा रोलर चेन, कांच के दर्पण और फास्टनर सहित चार उत्पादों की कथित डंपिंग की जांच शुरू की है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि व्यापार उपचार महानिदेशालय पड़ोसी देश से सस्ते आयात से एमएसएमई इकाइयों की रक्षा करना चाहता है। आमतौर पर डंपिंग रोधी जांच घरेलू उत्पादकों के आवेदन के आधार पर शुरू की जाती है, लेकिन चूंकि इन उद्योगों को व्यापार उपचार जांच में शामिल प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं थी, इसलिए डीजीटीआर ने अपने स्तर पर मामले की जांच शुरू की है। व्यापार उपचार महानिदेशक अनंत स्वरूप ने कहा कि ये उत्पाद मुख्य रूप से छोटी और मझोली इकाइयों द्वारा बनाए जाते हैं। इन चारों उत्पादों का आयात कुल मिलाकर करीब 800 करोड़ रुपए का है और ये चीन से आ रहे हैं। स्वरूप ने 'हमने स्वतः संज्ञान लेते हुए चार मामले शुरू किए हैं।' डीजीटीआर ने कहा कि वह टेलिस्कोपिक चैनल ड्रॉयर, बिना फ्रेम वाले कांच के दर्पण और फास्टनर की कथित डंपिंग की जांच कर रहा है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में मुहूर्त ट्रेडिंग

मुंबई. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी आशीष कुमार चौहान ने बतयाा कि एक्सचेंज में मुहूर्त ट्रेडिंग हमारी साझा वित्तीय आकांक्षाओं का प्रमाण है। हम सावधानीपूर्वक विकल्प चुनने और रणनीतिक निवेश का सफ़े शुरू करते हैं। एनएसई की सलाह है कि निवेशक केवल पंजीकृत मध्यस्थों के साथ सौदा करें और गैर-विनियमित उत्पादों में सौदा करने से बचें।

जीटीएफ का हाईटेक स्टॉक मार्केट इंस्टिट्यूट

नई दिल्ली. गेट टुगेदर फाइनेंस (जीटीएफ) ने जयपुर में अपना नया सेंटर लॉन्च किया है। इस इंस्टिट्यूट की ख़ास बात यह है कि न केवल देश के सबसे बड़े इंस्टिट्यूट में से एक है बल्कि सबसे ज़्यादा हाईटेक भी है। स्टॉक मार्केट में एजुकेशन को ऑर्गनाइज्ड और मॉडर्न स्टूडेंट्स की जरूरत के हिसाब से इस इंस्टिट्यूट को डिज़ाइन किया गया है।

MAHAGENCO
Maharashtra State Power Generation Co. Ltd.
TENDER NOTICE : CPA-20-2023
Digitally signed tenders under Two Bid System are invited for the following
Tender/RFx No: SP/T-0406/1123 (RFx No: 3000043164)
Description of tender: Supply and Commissioning of New Solar Panels at 125MW Sakri Solar Power Plant.
Due date & time of submission of Tender Bids: Up to 15.00 Hrs of 30/11/2023
Contact Person: Office of Chief Engineer (CPA), Tel No.: 022-6985 3618
For further details visit our website: https://eprocurement.mahagenco.in/
Chief Engineer (CPA)